has been provided for this Project for 1977-78.

(d) No, Sir.

विदेशो के साथ सीधे डायल घुमा कर टेलीफोन करने की व्यवस्था

6093. **श्री मोठा लाल पटेल** क्या संचार मन्त्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) क्या सीधे डायल घुमाकर विदेश टेलीफोन सेवा शुरू किये जाने के बारे मे सरकार विदेशो के साथ बातचीत कर रही है ; और

(ख) यदि हा, तो उसका क्या निष्कर्ष निकला ?

संचार मंत्री (श्री बृज लाल वर्मा) : (क) और (ख) सबद्ध दोनो देशो मे आवश्यक तकनीकी उपस्कर/सुविधाए सुलभ होने पर भारत द्वारा विदेशो के लिए समय-समय पर, सीधी डायल टेलीफोन सेवा शुरू करने की व्यवस्था की जाती है। शुद्ध रूप मे तकनिकी और वाणिज्यिक मामला होने के कारण इस बारे मे सचार मत्रालय, भारत सरकार का एक अधोनस्थ कार्यालय—विदेश सचार सेवा, सम्बद्ध विदेशी प्रतिपक्ष के साथ, पत्राचार द्वारा सम्पर्क स्थापित करता है।

आजकल भारतीय मानक समय के अनुसार बम्बई से लन्दन के लिए 0000 बजे से 1200 बजे के बीच और नई दिल्ली से लन्दन के लिए 0100 बजे से 1200 बजे के बीच उपलब्ध, प्रयोक्ता सीधी डायल टेलीफोन सेवा को सितम्बर, 1977 के अन्त तक, सारे ब्रिटेन के लिए 24 सौ घण्टे उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है।

1908 LS—3.

अमरीका के लिए सीधी डायल टेलीफोन सेवा बनाने की योजना भी सरकार के विचाराधीन है। पहले चरण मे यह सेवा न्यूयार्क और वाशिगटन के लिए सुलभ किए जाने की सभावना है।

भारतीय रेड क्रास भवन

6094. **डा० रामजी सिह** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मन्त्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) क्या भारतीय रेड क्रास भवन (इंडियन रेड क्रास बिल्डिग) का निर्माण जूनागढ के नवाब, सर महावत खा द्वारा दिये गये भारी दान से किया गया था ;

(ख) क्या इस भवन को भारतीय लोगो के रोगो और दुखो के इलाज और स्वास्थ्य मे सुधार के प्रयोजन हेतु दान-स्वरूप दिया गया था , और

(ग) क्या इस भवन का उपयोग उपरोक्त प्रयोजनो के अतिरिक्त किन्ही अन्य प्रयोजनो के लिए भी किया जा रहा है और यदि हा, तो क्या इसमे दान की दानभावना का अनादर होता है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : (क) जी हा । भारतीय रेड क्रास की पुरानी इमारत जो 1930-31 मे बनी थी और जिसे 1975 में गिरा दिया था, उसे जूनागढ के नवाब, सर महावत खा द्वारा दिये गये दान मे बनाया गया था।

(ख) जूनागढ के नवाब से इस पुरानी इमारत के निर्माण के लिए सहायता मिली थी जिसे अब गिराया जा चुका है। इस इमारत का किस विशिष्ट प्रयोजन के लिए इस्तेमाल किया जाए इसका

उल्लेख नहीं किया गया था। यह भारतीय रेड क्रास सोसाइटी का ही अपना निर्णय था कि इस इमारत को "भारत में, स्वास्थ्य सुधार, रोगों की रोकथाम और लोगों के दुख दर्द को दूर करने के कार्य में लगे हुए सभी व्यक्तियों को समर्पित कर दिया जाए"।

(ग) भारतीय रेड क्रास सोसाइटी ने बताया है कि पुरानी बिल्डिंग इसके टूटने तक उसी उद्देश्य के लिए प्रयोग की जाती रही जिसके लिए यह बनाई गई थी और नई बिल्डिंग जिसका निर्माण भारत सरकार से प्राप्त अनुदानों और भारतीय औद्योगिक विकास बैंक और औद्योगिक वित्तीय निगम से लाइसेंस फीस के एवज में प्राप्त अग्रिमों से किया गया है, का प्रयोग उन्हीं उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है जिनके लिए ये अनदान/अग्रिम प्राप्त हुए हैं।

De-recognition of Indian Medical Degrees by Foreign Countries

6095. SHRI D. B. CHANDRE GOWDA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) the names of countries which have de-recognised the Indian Medical Degrees; and

(b) steps being taken by Government to improve the standard of Medical education and research?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI RAJ NARAIN): (a) The General Medical Council of U.K. with whom we had reciprocity in regard to the mutual recognition of medical qualifications awarded by the two countries, unilaterally terminated the reciprocity and decided that doctors who obtained medical qualifications in India after May 22, 1975, will only be eligible for temporary registration provided they pass the tests to be conducted by the temporary registration assessment board.

(b) The Medical Council of India, a statutory body established under an Act of Parliament is responsible for maintenance of the standard of Medical Education in the country. For this purpose, the Council has prescribed regulations on 'Minimum standard/ requirement on Under-graduate and Post-graduate medical education', 'standard requirement for admission of 100 students in medical colleges' and 'qualification required for appointment of teachers in Medical Colleges.' The maintenance of standard of medical education is ensured through periodical inspections carried out by the Inspectors appointed by the Medical Council of India. Deficiencies noted/ pointed out by the Inspectors are brought to the notice of the concerned institutions for rectification within a stipulated period. Where deficiencies continue to persist, Medical Council of India may recommend withdrawal of recognition granted to the Institution.

Production of Naphthalene and Phenol by H. S. L.

6096. SHRI G. Y. KRISHNAN: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) the quantity of Naphthalene and Phenol produced by the Hindustan Steel Limited in 1976;

(b) the names of the parties to whom these products were distributed and the quantities thereof;

(c) whether Government propose to give preference to small scale units in the matter of allotment of these products?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI BIJU PATNAIK): (a) The total production of Naphthalene from the steel plants of Hindustan